मोमासर 17 अप्रेल : मोमासर के मरूदेवा अतिथि गृह मे शनिवार को मोमासर स्तरीय प्रबुद्धजन संगोष्ठी का आयोजन आचार्य महाप्रज्ञ और युवाचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में हुआ । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आचार्य महाप्रज्ञ ने कहा कि हमारे दो जगत है स्थूल और सूक्ष्म । स्थूल जगत बाहर का जगत इन्द्रिय चेतना का जगत है और सूक्ष्म जगत भीतर का जगत अतीन्द्रिय चेतना का जगत है। केवल इन्द्रिय चेतना में जीने वाला धर्म को नहीं समझ सकता । इसलिए आज की पीढी धर्म से विमुख होती जा रही है । जब अतीन्द्रिय चेतना के जगत में जीने का अभ्यास बढेगा तभी धर्म का मूल अर्थ पकड में आयेगा । प्रबुद्धजनों को बाहर की दुनियों का, इन्द्रिय जगत का ज्ञान हुआ है अब भीतर भी जाना सीखना है जिससे जीवन में आने वाली समस्याओं का समाधान खोज सके ।

उन्होने अपने अपने क्षेत्रों में महारत हासिल दिग्गजों को संबोधित करते हुए कहा कि जो अपनी जैविक घडी को समझ लेता है, 24 घंटों को कैसे जीना है जान लेता है वह समस्याओं से घबरायेगा नहीं और उनका हल खोज लेगा । उन्होने कहा कि इन्द्रिय चेतना और अतीन्द्रिय चेतना दोनों को समान रूप से प्रयोग में लेते हुए गति करना है ।

युवाचार्य महाश्रमण ने ज्ञान के महत्व पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि बुद्धि और ज्ञान में अन्तर है । बुद्धि एक क्षमता है । उसके द्वारा ज्ञान का विकास किया जा सकता । उन्होने कहा कि ज्ञान कई बार दुख संवेदन का कारण बन जाता है आपके जीवन में धन,बुद्धि और ज्ञान आवश्यक है परन्तु इन सबसे ज्यादा महत्पूर्ण है शुद्धि का होना। जब शुद्धि होगी तो धन का दुरूपयोग नहीं होगा, बुद्धि उत्पात मचाने वाली नहीं होगी । उन्होने कहा कि अहिंसा की चेतना, सहिष्णुता और ईमानदारी का समावेश होने पर प्रबुद्धजनों के ज्ञान बल बुद्धिबल की सार्थकता बढ जायेगी ।

मुख्य नियोजिका साध्वी विश्रुतविभा ने कहा कि आज का समय प्रबंधन का है और जो खुद को जानने का प्रयत्न करता है वह प्रबंधन भी अच्छी प्रकार से कर सकता है । उन्होने कहा की प्रवृति के साथ निवृति का होना जरूरी है

कार्यक्रम मुनि नीरजकुमार के मंगलाचरण से प्रारंभ हुआ जिसमें तेरापंथ सभा के अध्यक्ष पदमचंद पटावरी, कमल पटावरी ने अपने विचार रखे । प्रदीप संचेती ने प्रोफेशनल डिग्री धारक सुरेन्द्र पटावरी के बेल्जियम से मिले शुभाशंषा संदेश का वाचन किया । प्रबुद्धजनों में राजेन्द्र संचेती, सुशील संचेती, सुशील पटावरी पन्नालाल ओसवाल, मंजू आंचलिया ने अपनी जन्मभूमि के लिए कुछ करने का संकल्प करते हुए उपस्थित प्रबुद्धजनों से भी आव्हान किया । कार्यक्रम का संचालन श्रीमति रमण पटावरी ने किया